भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1237

दिनांक 10 फरवरी, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

वायु प्रदूषण के कारण देश में गहराता स्वास्थ्य संकट

1237 # श्री गोविंदभाई लालजी भाई धोलकिया:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञों एवं चिकित्सकों ने अपने अध्ययनों के आधार पर यह बताया है कि देश में कोविड-19 महामारी के पश्चात अब वायु प्रदूषण सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्या के रूप में उभर रहा है;
(ख) क्या विगत कुछ वर्षों के दौरान देश में फेफड़ों की बीमारी से ग्रसित रोगियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है; और
(ग) क्या सरकार को स्वास्थ्य विशेषज्ञों और डॉक्टरों द्वारा "लंग हेल्थ टास्क फोर्स" बनाने का कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग): वायु प्रदूषण श्वसन संबंधी बीमारियों और उनसे संबंधित रोगों को बढ़ाने वाले प्रमुख कारकों में से एक है। हालांकि, केवल वायु प्रदूषण के कारण होने वाली बीमारियों के बीच सीधा संबंध स्थापित करने वाले कोई निर्णायक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। वायु प्रदूषण के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव कई कारकों का संयुक्त परिणाम हैं, जिनमें व्यक्ति की खान-पान की आदतें, व्यावसायिक आदतें, सामाजिक-आर्थिक स्थिति, चिकित्सा इतिहास, प्रतिरक्षा और आनुवंशिकी आदि शामिल हैं।

दीर्घकालिक श्वसन रोगों (क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) और अस्थमा) से संबंधित विशिष्ट तकनीकी मुद्दों पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन और सिफारिशें प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के महानिदेशक की अध्यक्षता में एक तकनीकी विशेषज्ञ समूह का गठन किया गया है।

भारत सरकार ने वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनका विवरण **अनुलग्नक** में दिया गया है।

भारत सरकार ने देश भर में वायु प्रदूषण की समस्याओं के समाधान हेतु अनेक कदम उठाए हैं। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

1. राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनपीसीसीएचएच) का कार्यान्वयन, जिसका उद्देश्य 2019 से देश में जलवायु संवेदनशील स्वास्थ्य मुद्दों पर जागरूकता, क्षमता निर्माण, स्वास्थ्य क्षेत्र की तैयारी और प्रतिक्रिया तथा साझेदारी संबंधी गतिविधियों का सृजन करना है;

I. एनपीसीसीएचएच, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने वायु प्रदूषण से होने वाली बीमारियों के लिए स्वास्थ्य अनुकूलन योजना विकसित की है, जो राज्य में विभिन्न स्तरों पर संस्थागत संरचनात्मक और कार्यात्मक तंत्रों पर ध्यान केंद्रित करने को दर्शाती है। राज्य/संघ राज्1 क्षेत्र वायु प्रदूषण से संबंधित मामलों पर स्वास्थ्य संबंधी योजना बनाने और प्रतिक्रिया देने के लिए इन दिशानिर्देशों का उपयोग कर सकते हैं। स्वास्थ्य अनुकूलन योजना का लिंक नीचे दिया गया है: https://ncdc.mohfw.gov.in/wp-content/uploads/2024/05/1.Health-Adaptation-Plan-for-Disease-Due-to-Air-Pollutios-2021.pdf

II. सरकार ने सभी 36 राज्यों/ संघ राज्1 क्षेत्रों के लिए जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य पर राज्य कार्य योजना विकसित की है। इस राज्य-विशिष्ट कार्य योजना में वायु प्रदूषण पर एक समर्पित अध्याय है, जिसमें इसके प्रभाव को कम करने के लिए उपाय सुझाए गए हैं।

III. सरकार राज्य/ संघ राज्1 क्षेत्रों को वायु प्रदूषण के प्रभाव को कम करने के तरीके सुझाते हुए जन स्वास्थ्य संबंधी परामर्शी जारी करती है।

IV. विश्व पर्यावरण दिवस (जून), नीले आकाश के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस (सितंबर) और राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस (दिसंबर) के लिए राज्यों के समन्वय से प्रतिवर्ष राष्ट्रव्यापी जन जागरूकता अभियान आयोजित किए जाते हैं।

V. कार्यक्रम प्रबंधकों, चिकित्सा अधिकारियों और नर्सों, नोडल अधिकारियों, निगरानी स्थलों, आशा कर्मियों जैसे अग्रिम पंक्ति के कर्मियों, महिलाओं और बच्चों जैसे संवेदनशील समूहों, यातायात पुलिस और नगर निगम कर्मचारियों जैसे व्यावसायिक रूप से जोखिमग्रस्त समूहों के लिए वायु प्रदूषण के क्षेत्र में समर्पित प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किए गए हैं।

VI. वायु प्रदूषण से संबंधित बीमारियों को लक्षित करते हुए, अंग्रेजी, हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं में सूचना एवं संचार शिक्षा (आईईसी) सामग्री विकसित की गई है। एनपीसीसीएचएच ने स्कूली बच्चों, महिलाओं, नगर पालिका कर्मचारियों जैसे व्यावसायिक रूप से संवेदनशील समूहों आदि को लक्षित करते हुए अनुकूलित आईईसी सामग्री भी विकसित की है।

VII. वायु प्रदूषण संबंधी बीमारियों और निगरानी के क्षेत्रों में राज्य/जिला स्तर पर प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए मास्टर ट्रेनर (राज्य स्तरीय प्रशिक्षक) तैयार करने हेतु राष्ट्रीय स्तर की क्षमता निर्माण कार्यशालाओं की श्रृंखला प्रतिवर्ष आयोजित की गई है। एनपीसीसीएचएच ने वायु प्रदूषण के क्षेत्र में जिला नोडल अधिकारी की क्षमता निर्माण हेतु विभिन्न राज्य स्तरीय प्रशिक्षणों का भी समर्थन किया है।

VIII. वायु प्रदूषण के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली/अलर्ट तथा वायु गुणवत्ता पूर्वानुमान भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा राज्यों और भारतीय शहरों को प्रसारित किए जाते हैं ताकि स्वास्थ्य क्षेत्र के साथ-साथ संवेदनशील आबादी सहित समुदाय को तैयार किया जा सके।

2. प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों को स्वच्छ खाना पकाने का ईंधन, तरल पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) उपलब्ध कराकर उनके स्वास्थ्य की रक्षा करना है।

3. स्वच्छ भारत मिशन भारत के शहरों, छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों, गलियों और बुनियादी ढांचे को साफ करने को बढ़ावा देता है। स्वच्छ हवा स्वच्छ भारत का एक अभिन्न अंग है।

4. पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने देश भर में वायु प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए राष्ट्रीय स्तर की रणनीति के रूप में 2019 में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम शुरू किया।

*****